CIRRUS
Listen. Measure. Interpret.

Hindustan - Delhi;Sun, 30 Mar-14;Size : 118.77 sq.cm.;Page : 15

CIRRUS
Listen. Measure. Interpret.

छोटा सा प्रीमियम चुकाकर घर को आपदा से बचाएं

सलाह-1

राकेश जैन, सीईओ
रिलायंस जनरल इंश्योरेंस

देश में आबादी के हिसाब से जनरल इंश्योरेंस का प्रसार बहुत कम है। एक उभरती अर्थव्यवस्था में कुल जीडीपी का महज 0.7 फीसदी ही जनरल इंश्योरेंस का प्रसार है। जनरल इंश्योरेंस के तहत स्वास्थ्य, मोटर, घर सभी कुछ कवर होता है, और जिन्होंने जनरल इंश्योरेंस लिया भी है उन्होंने अपने स्वास्थ्य और मोटर के लिए तो बीमा खरीदा पर अपने बेशकीमती घर का बीमा को नजरअंदाज कर दिया।

पिछले कुछ सालों में करोड़ों भारतीयों ने अलग-अलग जगहों से वित्तीय सहायता लेकर अपना घर बनवाया। किसी भी व्यक्ति के लिए अपने जीवन में बनवाया हुआ घर बहुत कीमती होता है और उस संपत्ति को खोना किसी भी व्यक्ति अथवा परिवार के लिए बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। फिर भी लोग घर के बीमा को नजरअंदाज कर देते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि एक लाख में सिर्फ एक अपने घर का बीमा कराता है। संपत्ति को नुकसान के लिए कुछ भी जिम्मेदार हो सकता है, लेकिन प्राकृतिक आपदा के वक्त यह नुकसान बहुत बड़ा हो सकता है।

आपदा और घर के बीमा को लेकर एक मिथक भी है। लेकिन यह सोचना गलत है, क्योंकि यदि आप अपने घर और इससे जुड़ी चीजों का बीमा कराते हैं तो आप प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान का दावा करते हैं। घर किसी भी व्यक्ति के लिए जीवन में सबसे कीमती चीज होती है, लेकिन इसका बीमा कराना उतना ही सस्ता है। एक घर का सालभर के लिए बीमा कराना उतना ही सस्ता है, जितने में छोटा परिवार एक बार सिनेमा हाल में पिक्चर देखने के लिए खर्च करता है। जब आप सिनेमा देखते हैं तो वह सिर्फ तीन घंटे में खत्म हो जाती है, लेकिन जब आप अपने घर का बीमा कराते हैं तो वह 365 दिनों तक आपके घर को कवर करता है।

एक 15 लाख रुपये के घर को कवर करने के लिए आपको सर्विस टैक्स छोड़कर सिर्फ 500 रुपये चुकाने होंगे। इसके अलावा एक लंबी अवधि की पॉलिसी लेकर आप प्रीमियम में 50 फीसदी तक की छूट पा सकते हैं। इसके अलावा घर का बीमा कई और बातों पर निर्भर करता है।